

GUIDANCE BY PRESIDENT NIWANO

उम्र बढ़ना

निचिको निवानो

रिश्शो कोसेइ काइ अध्यक्ष

बूढ़ा होने का अर्थ

जैसा कि आप सभी को मालूम होगा कि जापानी लिपि 'कांजी' में प्रत्येक कांजी का अर्थ होता है। जापान में सितंबर में बुजुर्गों के सम्मान में जो छुट्टी है, उस दिन वृद्धावस्था के लिए प्रयुक्त जिस कांजी का उच्चारण 'रो' होता है, वह ७० वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए होता है। जबकि जिस दूसरी कांजी का उच्चारण 'की' है, वह ६० वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए होता है।

दोनों ही शब्द 'अधिक उम्र के लोगों' को व्यक्त करते हैं। इस प्रकार के शब्दों का अर्थ पता चलने पर मुझे आयु बढ़ने का एहसास होता है जोकि बहुधा नहीं हो पाता है, पर ऐसे समय उम्र बढ़ने का स्पष्ट बोध हो जाता है, "आह, मेरी उमर भी बढ़ रही है!" परंतु शाक्यमुनि कह गए हैं कि जो लोग केवल उम्र में ही बढ़े हैं, 'वे व्यर्थ में बढ़े हैं।' उनके ये स्पष्ट शब्द भी हैं कि जिन लोगों का मन दूसरों के प्रति संवेदन व सदगुणों से भरा है और जिनके मन में गहरी करुणा है, वे ही सच्चे अर्थ में वयोवृद्ध कहलाते हैं। इसका अर्थ है कि वयोवृद्ध ऐसे तपस्वी हैं, जिनमें महान गुण होता है।

शाक्यमुनि कुछ ऐसे कठोर शब्द भी छोड़ गए हैं :- "जो मनुष्य पढ़ता नहीं है वह बैल के समान बढ़ा हो जाता है और उसका शरीर बढ़ा हो जाता है, पर ज्ञान में वृद्धि नहीं होती है। पूर्वी विचार-धारा में एक प्राधिकारी विचारक 'मासाहिरो यासुओका' के शब्दों में है कि उम्र बढ़ने का अर्थ एक ऐसे 'प्रयत्नों का सोपान' है, जिनसे हम अनुभव संचित करते हैं, विचार-धारा गहरी करते हैं और जीवन संपूर्ण करते हैं। इसके लिए हमें हमेशा पढ़ते रहना चाहिए और



मानसिक प्रवीणता को लक्ष्य करते जीवन व्यतीत करना चाहिए, यही 'वृद्ध' होना है।

उम्र बढ़ी होने पर भी ऐसा सोचना चाहिए कि अब तक अपूर्ण है और उसमें कमी है, फिर अपनी उन्नति करने में प्रयत्नशील रहना चाहिए और अब तक संचित ज्ञान के आधार पर दूसरों के प्रति संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। इसलिए ऐसा कहा जा सकता है कि 'बूढ़ा होना' तो उम्र के ऐसे संचय के साथ-साथ मौजूद रहता है।

वृद्ध होने का आनंद

फिर भी कहा जा सकता है कि अधिकतर व्यक्तियों में उम्र बढ़ने के सत्य को अस्वीकार करने की भावना प्रबल है।

शाक्यमुनि कठोर मन के साथ अस्थिरता की युक्ति का उपदेश देते रहे, “समय बीतता जाता है और दिन रात में तथा रात दिन में बदलती जाती है। यौवन की सुंदरता समय के साथ-साथ हमें बिछड़ाकर चली जाती है।” इसका तथ्य है कि हमारे लिए शाक्यमुनि का यह दयालु मन था, “हमें इस संसार के सत्य, अर्थात् जन्म, वृद्ध, रोग तथा मृत्यु समझ लेने चाहिए। हम ऐसा करते हैं, तो हमें कभी भी बुढ़ापे या मौत का भय नहीं रहेगा और हम अपने जीवन के परिपूर्ण दिन जी सकेंगे।”

जापान के ‘क्यौतो’ विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष, प्रोफेसर ‘को हिरासावा’ जन्म, वृद्ध, रोग तथा मृत्यु को ‘चार पीड़ाएँ’ नहीं, बल्कि ‘चार आनंद’ मान लेते हैं। उन्होंने यह टिप्पणी भी की है कि जिस प्रकार वर्ष में चार ऋतुएँ होती हैं, उसी प्रकार हमारे जीवन में भी जन्म है, बुढ़ापा है, बीमारी है तथा मौत होती है। उन सब में खुशियाँ होती हैं।

प्रसंगवश मृत्यु के संबंध में प्रोफेसर हिराकावा कहते हैं कि जो जीवन प्रकृति से प्रदान किया गया है वह प्रकृति में वापिस हो जाता है, फिर वह प्रकृति का हिस्सा हो जाता है और पुनः प्रकृति के निर्माण में भाग लेता है। मृत्यु शून्य में समा नहीं हो जाती,

बल्कि प्रकृति की नई सृष्टि में नए सिरे से भागीदारी हो जाती है। वे बुढ़ापे व मौत को बुद्ध की दया के ही रूप में स्वीकार करते हैं। जब हम ऐसी नमनशील दृष्टि से देख लेंगे तो हम उम्र बढ़ने की सार्थकता और आनंद भी अनुभूत कर सकते हैं।

उदाहरण के लिए हम यौवन में संकोच से जो कुछ कह नहीं सकते थे, वह वृद्धावस्था में पहुँचने पर हम ध्यान-मनन साधकर अनुभूत कर लेते हैं और बेधड़क मुँह में ला सकते हैं। इस अर्थ में बुजुर्गों की यह एक भूमिका है कि उन्होंने अपने जीवन में जो एक-एक सबक सीखा है, उसे वे सीने पर रखकर अगली पीढ़ी तक पहुँचाएँ और यह तो अग्रजों का नियत कार्य भी कह सकेंगे।

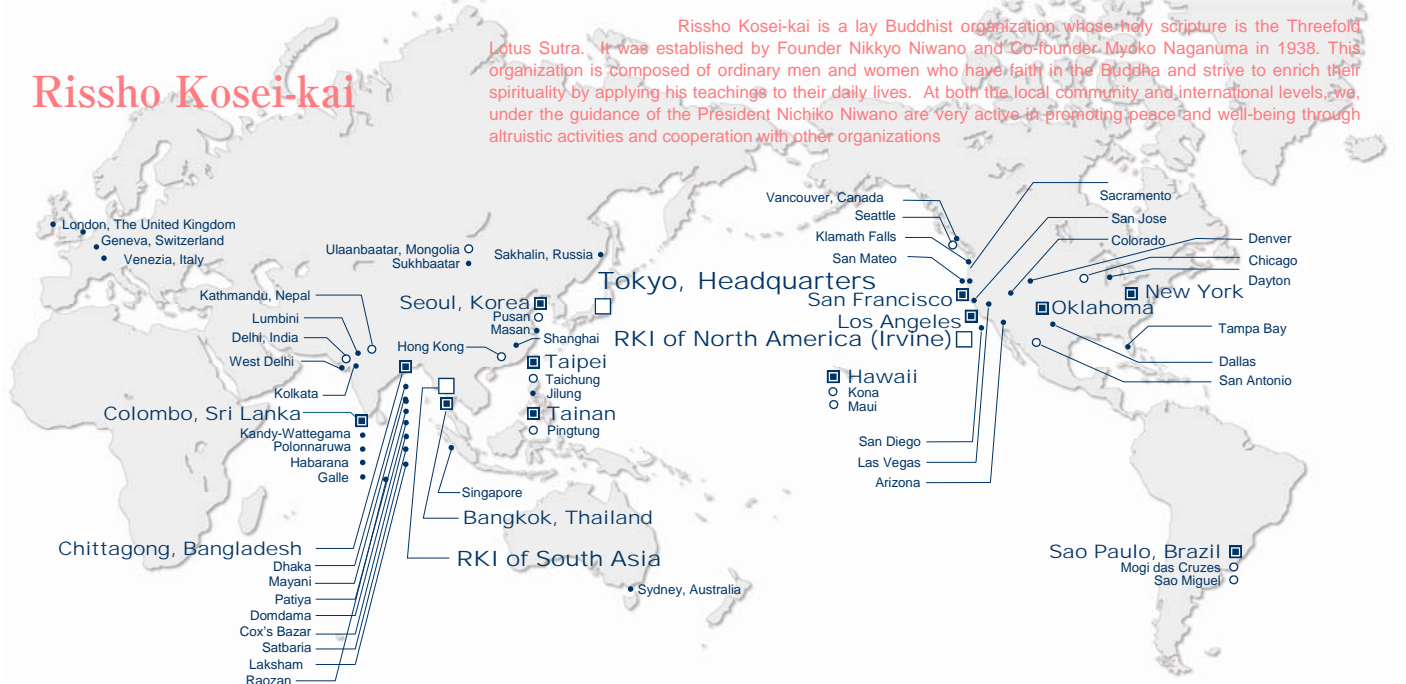
विशेषकर यह दूसरों के प्रति गहरी संवेदनशीलता का आविर्भाव है कि वे एक इंसान के रूप में इस संसार में जन्म लेने का आनंद या जीवों की महानता व कृतज्ञता आदि जीवन का सारभाग या मर्म युवजनों को बता दें। चाहे हमारी उम्र कितनी ही ज्यादा हो गई हो या हमारा शरीर कमजोर क्यों ना हो जाए, यह बोधिसत्व की तपस्या ही है कि हम अपनी बाणी से कार्यान्वित कर सकेंगे।

बूढ़ा होने पर ही हम एक ऐसे ज्ञान की प्राप्ति करने की कोशिश करते हैं, जिससे हम समृद्ध बढाएँगे और फिर हम जो सकारात्मक रवैया अपनाएँगे, उससे आजीवन जीने का अर्थ व आनंद उत्पन्न करने की प्रेरक शक्ति हो जाएगी।

From “Kosei” September 2011 Translated by Kosei Publishing Company

Rissho Kosei-kai is a lay Buddhist organization whose holy scripture is the Threefold Lotus Sutra. It was established by Founder Nikkyo Niwano and Co-founder Myoko Naganuma in 1938. This organization is composed of ordinary men and women who have faith in the Buddha and strive to enrich their spirituality by applying his teachings to their daily lives. At both the local community and international levels, we, under the guidance of the President Nichiko Niwano are very active in promoting peace and well-being through altruistic activities and cooperation with other organizations

Rissho Kosei-kai



SHAN-ZAI Volume 72 (September 2011)

【Published by】 Rissho Kosei-kai International Fumonkan, 2-6-1 Wada Suginami-ku, Tokyo, 166-8537 Japan TEL: 03-5341-1124 FAX: 03-5341-1224 E-mail : shanzai@kosei-kai.or.jp

Senior Editor : Rev. Kotaro SUZUKI Editor : Etsuko NAKAMURA

Editorial Staff: Shihō MATSUOKA, Ms. Yukino KUDO, Ms. Kaoru SAITO, Ms. Mayumi ETO, Ms. Sayuri SUZUKI, Ms. Eriko KANAO and Ms. Emi MAKINO

Rissho Kosei-kai Overseas Dharma Centers

2012

Rissho Kosei-kai International

5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 Fax: 81-3-5341-1224

Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

4255 Campus Drive, University Center A-245 Irvine,
CA 92612, U.S.A.
Tel: 1-949-336-4430 Fax: 1-949-336-4432
e-mail: info@rkina.org <http://www.buddhistcenter-rkina.org>

Branch under RKINA

Rissho Kosei-kai of Tampa Bay

2470 Nursery Rd. Clearwater, FL 33764, USA
Tel: (727) 560-2927
e-mail: rktampabay@yahoo.com
<http://www.rkina.org/tampabay>

Rissho Kosei-kai International of South Asia (RKISA)

201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huankhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 Fax: 66-2-716-8218
e-mail: thairissho@csloxinfo.com

Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, U.S.A.
Tel: 1-808-455-3212 Fax: 1-808-455-4633
e-mail: info@rkhawaii.org <http://www.rkhawaii.org>

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1817 Nani Street, Wailuku, Maui, HI 96793, U.S.A.
Tel: 1-808-242-6175 Fax: 1-808-244-4265

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua, Kona, HI 96740, U.S.A.
Tel: 1-808-325-0015 Fax: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, U.S.A.
Tel: 1-323-269-4741 Fax: 1-323-269-4567
e-mail: rk-la@sbcglobal.net <http://www.rk-la.com>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of San Antonio

6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, U.S.A.
Tel: 1-210-561-7991 Fax: 1-210-696-7745
e-mail: dharmasanantonio@gmail.com

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas

Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, U.S.A.
Tel: 1-650-359-6951 Fax: 1-650-359-5569
e-mail: rkksf@sbcglobal.net

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, U.S.A.
Tel: 1-253-945-0024 Fax: 1-253-945-0261
e-mail: rkseattle@juno.com

Rissho Kosei-kai of Sacramento

Rissho Kosei-kai of San Jose

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Lotus Buddhist Circle

851 N. San Mateo Drive, San Mateo, CA 94401, U.S.A.

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, U.S.A.
Tel: 1-212-867-5677 Fax: 1-212-697-6499
e-mail: koseiny@aol.com

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, U.S.A.
Tel & Fax: 1-847-394-0809
e-mail: murakami4838@aol.com

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th Street, Oklahoma City, OK 73112, U.S.A.
Tel & Fax: 1-405-943-5030
e-mail: ok.risshokoseikai@gmail.com <http://www.rkok-dharmacenter.org>

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Klamath Falls

724 Main St., Suite 214, Klamath Falls, OR 97601, U.S.A.
Tel: 1-541-810-8127

Rissho Kosei-kai, Dharma Center of Denver

1571 N Race St., Denver, Colorado 80206, U.S.A.
Tel: 1-303-810-3638

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

446 "B" Patterson Road, Dayton, OH 45419, U.S.A.

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP,
CEP 04116-060, Brasil
Tel: 55-11-5549-4446 Fax: 55-11-5549-4304
e-mail: rissho@terra.com.br <http://www.rkk.org.br>

Rissho Kosei-kai de Mogi das Cruzes

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP,
CEP 08730-000, Brasil
Tel: 55-11-4724-8862

Rissho Kosei-kai of Taipei

4F, No. 10 Hengyang Road, Zhongjheng District, Taipei City 100
Tel: 886-2-2381-1632 Fax: 886-2-2331-3433

Rissho Kosei-kai of Taichung

No. 19, Lane 260, Dongying 15th St., East Dist.,
Taichung City 401
Tel: 886-4-2215-4832/886-4-2215-4937 Fax: 886-4-2215-0647

Rissho Kosei-kai of Jilong

Rissho Kosei-kai of Tainan

No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701
Tel: 886-6-289-1478 Fax: 886-6-289-1488

Rissho Kosei-kai of Pingtung

No. 4, Lane 60, Minquan Road, Pingtung City,
Pingtung County 900
Tel: 886-8-732-1241 Fax: 886-8-733-8037

Korean Rissho Kosei-kai

423, Han-nam-dong, Young-San-ku, Seoul, Republic of Korea
Tel: 82-2-796-5571 Fax: 82-2-796-1696
e-mail: krkk1125@hotmail.com

Korean Rissho Kosei-kai of Pusan

1258-13, Dae-Hyun-2-dong, Nam-ku, Kwang-yok-shi, Pusan,
Republic of Korea
Tel: 82-51-643-5571 Fax: 82-51-643-5572

Korean Rissho Kosei-kai of Masan

Branches under the Headquarters

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point,
Hong Kong, Special Administrative Region of the People's Republic
of China
Tel: 852-2-369-1836 Fax: 852-2-368-3730

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar

39A Apartment, room number 13, Olympic street, Khanuul district,
Ulaanbaatar, Mongolia
Tel & Fax: 976-11-318667
e-mail: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Sukhbaatar

18 Toot, 6 Orts, 7 Bair, 7 Khoroo, Sukhbaatar district, Ulaanbaatar, Mongolia

Rissho Kosei-kai of Sakhalin

1-72 Amyrskaya Street, Yuzhno-Sakhalinsk
693000, Russian Federation
Tel & Fax: 7-4242-43-78-56

Rissho Kosei-kai (Geneva)

1-5 route des Morillons P.O Box 2100 CH-1211 Geneva 2 Switzerland
Tel: 41-22-791-6261 *Fax:* 41-22-710-2053
e-mail: rkkgva@wcc-coe.org

Rissho Kosei-kai of the UK**Rissho Kosei-kai of Venezia**

Castello-2229 30122-Venezia Ve Italy
Tel: Contact to Rissho Kosei-kai (Geneva)

Rissho Kosei-kai of Paris

86 AV Jean Jaures 93500 Tentin Paris, France
Tel: Contact to Rissho Kosei-kai (Geneva)

Rissho Kosei-kai of Sydney**International Buddhist Congregation (IBC)**

5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1230 *Fax:* 81-3-5341-1224
e-mail: ibcrk@kosei-kai.or.jp <http://www.ibc-rk.org/>

Rissho Kosei-kai of South Asia Division

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
Tel & Fax: 880-31-2850238

Thai Rissho Friendship Foundation

201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 *Fax:* 66-2-716-8218
e-mail: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei-kai of Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
Tel & Fax: 880-31-2850238

Rissho Kosei-kai of Dhaka

House No.465, Road No-8, D.O.H.S Baridhera,
Dahka Cand.-1206, Bangladesh
Tel: 880-2-8316887

Rissho Kosei-kai of Mayani

Mayani Barua Paya, Mirsarai, Chittagong,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Patiya

Patiya, Post office road, Patiya, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Domdama

Domdama, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Cox's Bazar

Phertali Barua Para, Cox's Bazar, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Satbaria

Satbaria, Hajirpara, Chandanish, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Laksham

Dupchar (West Para), Bhora Jatgat pur, Laksham, Comilla,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Raozan

West Raozan, Ramjan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Chendirpuni

Chendirpuni, Adhunagor, Lohagara, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Sri Lanka

382/17, N.A.S. Silva Mawatha, Pepiliyana, Boralesgamuwa, Sri Lanka
Tel: 94-11-2826367 *Fax:* 94-11-4205632

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

No. 29 Menik Place, Kaduruwela, Polonnaruwa,
Sri Lanka

Rissho Kosei-kai of Habarana

151, Damulla Road, Habarana, Sri Lanka

Rissho Kosei-kai of Galle

No.43 Melban Park Akmeemana, Galle, Sri Lanka

Rissho Kosei-kai of Kandy-wattegama

12 Station Road, Kapugastota, Sri Lanka

Branches under the South Asia Division**Delhi Dharma Center**

B-117 (Basement Floors), Kalkaji,
New Delhi-110019, India
Tel: 91-11-2623-5060 *Fax:* 91-11-2685-5713
e-mail: sakusena@hotmail.com

Rissho Kosei-kai of West Delhi

A-139 Ganesh Nagar, Tilak Nagar
New Delhi-110018, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar,
KOLKATA 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsilhel, Sancepa-1, Lalitpur,
Kathmandu, Nepal
Tel: 977-1-552-9464 *Fax:* 977-1-553-9832
e-mail: nrkk@wlink.com.np

Rissho Kosei-kai of Lumbini

Shantiban, Lumbini, Nepal

Rissho Kosei-kai of Singapore**Other Groups****Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai**

1F, ZHUQIZHAN Art Museum, No. 580 OuYang Road,
Shanghai 200081 China